जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 210 प्रभात जालोर, शुक्रवार, 7 नवम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस का मन नहीं है, भाजपा व चुनाव आयोग की साजिश का मसला सुप्रीम कोर्ट में ले जाए

ऐसा लगता है कि पार्टी को विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट इस मसले पर सही निर्णय समय पर नहीं ले पायेगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत कर लोकतंत्र को कमजोर करने और जनादेश चुराने के गंभीर आरोप लगाने के बावजूद, कांग्रेस नेतृत्व अपनी शिकायतों के निवारण के लिए सुप्रीम कोर्ट जाने के प्रति इच्छुक नहीं दिख रहा है।

एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, राहुल गांधी ने सभी ज़रूरी तथ्यों और सबूतों को मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक कर दिया है, और अब यह सुप्रीम कोर्ट पर निर्भर करता है कि वह इस मामले पर स्वतः संज्ञान ले और जनहित में कार्रवाई करे।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व को इस बात का भरोसा नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतंत्र के हित में सही कदम उठाएगा। गौरतलब है कि

- एसआईआर पर भी पार्टी सुप्रीम कोर्ट की शरण में गई थी, पर शीर्ष न्यायालय ने कुछ नहीं किया, कोई निर्णय नहीं लिया तथा मसले को लटका दिया।
- इसका अर्थ यह निकला कि चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट के आधार पर चुनाव करवा दिया और कोई भी इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर पाया, क्योंकि मसला सुप्रीम कोर्ट में लंबित था।
- और अब एसआईआर की प्रक्रिया अन्य राज्यों में भी की जा रही है।
- राहुल गांधी ने साजिश के आरोप के साथ यह भी कहा कि आज के बिहार के मतदान में कई ऐसे मामले सामने आये हैं, जहाँ एक व्यक्ति ने पिछले चुनावों में दिल्ली में और अब बिहार में मतदान किया है।

बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर भी कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था। लेकिन अदालत ने न तो कोई ठोस कार्रवाई की, न ही कोई फैसला सुनाया, बल्कि मामले को लटकाए रखा। नतीजा यह हुआ कि चुनाव आयोग ने अपनी संशोधित मतदाता सूची के अनुसार चुनाव करवाए और कोई भी इस मामले में हस्तक्षेप या कार्यवाही नहीं कर सका।

अब वही सिलसिला आगे बढ़ते हुए 12 और राज्यों तक पहुंच गया है, जिनमें ममता बनर्जी का पश्चिम बंगाल भी शामिल है, जहाँ भाजपा लंबे समय से उन्हें हटाकर अपनी सरकार बनाने की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी का "हरियाणा हाइड्रोजन बम" फोड़ने का मकसद भी बिहार और वहाँ के युवाओं को यह संदेश देना है कि बिहार की स्थिति भी हरियाणा जैसी ही है।

आज बिहार में हुए मतदान में ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहाँ कुछ मतदाताओं ने फरवरी में दिल्ली में, और आज बिहार में भी मतदान किया। आने वाले दिनों में इस तरह के और भी कई मामले सामने आने की संभावना है।

डमी प्रत्याशी बैठाकर चयनित हुआ अध्यापक गिरफ्तार

जयपुर, 6 नवंबर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा के लिए संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 में डमी अभ्यर्थी को बैठाकर चयनित हुए तृतीय श्रेणी अध्यापक सचिन कुमार बघेल को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) राजस्थान जयपुर विशाल बंसल ने बताया कि तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा के लिए संयुक्त

- राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट के बाद एसओजी ने सचिन कुमार बघेल को हिरासत में लिया।

प्रतियोगी परीक्षा 2022 का आयोजन 25 फरवरी 2023 को किया गया था।

सचिन कुमार बघेल उक्त सार्वजनिक प्रतियोगी परीक्षा में अपने स्थान पर अन्य डमी अभ्यर्थी को बैठाकर कर तृतीय श्रेणी अध्यापक के पद पर चयनित हो गया था। बघेल के दस्तावेज प्राप्त किये गये व नमूना हस्ताक्षर लिये जाकर राज्य विधि विज्ञान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रोटी को तवे पर पलटते रहना चाहिए नहीं तो जल जाती है'

लालू ने प्रथम चरण के मतदान के बाद कहा, बीस साल बहुत लंबा समय होता है, अब नई युवा सरकार आना जरूरी हो गया है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। बिहार की हाई-प्रोफाइल चुनावी जंग शुरू हो गई है। राज्य की 243 में से आधी सीटों पर गुरुवार को पहले चरण का मतदान हुआ। दूसरा चरण रविवार को होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में, एनडीए सरकार एक बार फिर सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है।

- बिहार के प्रथम चरण की 121 विधानसभा सीटों पर लगभग पैंसठ प्रतिशत मतदान रहा।
- कांग्रेस का चुनाव अभियान जोर-शोर से शुरु हुआ था, पर राहुल गांधी का दो महीने तक बिहार से अनुपस्थित रहना भारी पड़ सकता है।
- चुनाव रणनीति विशेषज्ञ प्रशांत किशोर की भूमिका को आंकना प्रथम चरण के बाद भी कठिन है।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों में गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लगभग 3.75 करोड़ मतदाताओं में से करीब 65 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके साथ ही, बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, 15 मंत्री, तथा महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी तेजस्वी प्रसाद यादव समेत, कुल 1,314 उम्मीदवारों के भाग्य ईवीएम में बंद हो गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने यहां मीडियाकर्मियों को बताया कि अब तक जिला मुख्यालयों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 सीटों पर 64.46 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

लालू यादव ने अपने परिवार की स्याही लगी उंगलियों वाली तस्वीर साझा करते हुए लिखा, रोटी को तवे पर पलटते रहना चाहिए, नहीं तो वह जल जाएगी। 20 साल बहुत लंबा समय है! अब युवाओं की सरकार और नए बिहार के लिए तेजस्वी सरकार बेहद जरूरी है।

सम्राट चौधरी ने दावा किया कि एनडीए भारी बहुमत से सत्ता में लौटेगा, जबकि उनके प्रमुख सहयोगी चिराग पासवान ने कहा कि वे पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान देखना चाहते हैं और उन्होंने सभी से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मतदाताओं से "लोकतंत्र के इस त्योहार" में पूरे उत्साह से भाग लेने की अपील की। एनडीए की जीत के प्रति आशवस्त मोदी ने जोर देते हुए कहा कि एनडीए को इस बार अभूतपूर्व बहुमत मिलेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इकॉनमी व रोज़मर्रा के बढ़ते खर्चे सबसे बड़ी चिंता है, अमेरिका वासियों की

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार यह दावा करते आ रहे हैं कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी चल रही है, जबकि जनता की भावना और आंकड़े कुछ और ही कहानी बताते हैं। सीएनएन के हालिया सर्वे के अनुसार, ट्रंप की गिरती लोकप्रियता सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था से संबंधित चिंताओं से जुड़ी है। लगभग 47 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने अर्थव्यवस्था और जीवन-यापन की बढ़ती लागत को अपनी सबसे बड़ी चिंता बताया है। इसके बावजूद, ट्रंप आत्मविश्वास से भरे दिखते हैं और जीडीपी वृद्धि, तेजी से बढ़ते शेयर बाज़ार और रोजगार सृजन में छिटपुट बढ़ोतरी जैसे कुछ चुनिंदा आंकड़ों का हवाला देकर दावा करते हैं कि उनकी आर्थिक नीतियाँ सफल रही हैं। वे अक्सर टैरिफ, मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा आत्मनिर्भरता जैसे अपने कदमों को लेकर दावा करते हैं कि इनसे अमेरिकी उद्योग में नई जान आई है और आर्थिक मजबूती बहाल हुई है।

लेकिन यह कहानी वास्तविक आंकड़ों से मेल नहीं खाती। रोज़गार वृद्धि, जो किसी भी अर्थव्यवस्था की

- जानी-मानी न्यूज़ एजेंसी सीएनएन के नवीनतम सर्वे के निष्कर्ष ने इकॉनमी के बारे में ट्रंप के दावों को एकदम खारिज किया।

सेहत का प्रमुख संकेतक होती है, अब काफी धीमी हो गई है। हाल के एक महीने में अमेरिका ने सिर्फ़ लगभग 73,000 नई नौकरियाँ जोड़ीं, जो बाज़ार की उम्मीदों से काफी कम हैं। वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में औसत मासिक रोजगार सृजन लगभग 51,000 रहा, जो ऐतिहासिक मानकों की तुलना में बहुत मामूली हैं। कामकाजी आबादी की भागीदारी दर (लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट) भी घट रही है, खासकर युवाओं और मध्यम आयु वर्ग में। यह संकेत देता है कि ट्रंप द्वारा बताई जा रही आर्थिक मज़बूती व्यापक रोज़गार वृद्धि में तब्दील नहीं हो रही।

महंगाई, जो आम नागरिकों के लिए सबसे सीधा असर डालने वाला कारक है, अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि महामारी के बाद महंगाई की दर अपने उच्चतम स्तर से कम हुई है, पर यह अभी भी करीब 3 प्रतिशत वार्षिक दर पर चल रही है, जो अमेरिकी केन्द्रीय बैंक (फेडरल रिज़र्व) के लक्ष्य, 2 प्रतिशत से अधिक है। खाने-पीने की चीज़ें, मकान और ऊर्जा के दाम अब भी आम अमेरिकियों की जेब पर भारी पड़ रहे हैं। किराने के सामान की कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में 2.7 प्रतिशत बढ़ीं, जबकि बिजली की लागत में 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जो ट्रंप के उस दावे का खंडन करती है कि जीवन-यापन सस्ता हो रहा है। भले ही कुछ वस्तुओं के दाम स्थिर हो गए हों, पर वे महामारी से पहले के स्तर से अब भी काफ़ी अधिक हैं, यानी परिवारों को अब वही चीजें खरीदने के लिए पांच साल पहले की तुलना में कहीं ज़्यादा खर्च करना पड़ रहा है।

ट्रंप अक्सर आर्थिक सफलता के प्रमाण के रूप में जिन जीडीपी आंकड़ों का बखान करते हैं, उनकी भी गहन जांच की आवश्यकता है। हालांकि, अर्थव्यवस्था की वृद्धि कभी-कभी उम्मीद से अधिक रही है, पर इसका बड़ा हिस्सा तकनीकी कारणों से आया है, जैसे कि आयात में कमी, जिससे निर्यात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छः माह से फरार विधायक पटेल का पीए गिरफ्तार

जयपुर, 6 नवम्बर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बांसवाड़ा टीम ने छह माह से फरार चले रहे भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के विधायक जयकृष्ण पटेल के पीए को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि एसीबी की कार्रवाई की भनक लगते ही

- रोहित मीणा रिश्वत के पैसे से भरा बैग लेकर फरार हो गया था।

विधायक का पर्सनल असिटेंट रिश्वत के बीस लाख रुपए से भरा बैग पार्किंग से लेकर फरार हो गया था, जिसकी तलाश में कई जगहों पर दबिश दी गई। लेकिन आरोपी का कोई सुराग एसीबी के हाथ नहीं लगा । एसीबी टीम ने कार्रवाई के दौरान आरोपी का सहयोग करने वाले उसके परिचित राजेश मीणा (33) करौली निवासी को भी हिरासत में लिया है।

एसीबी टीम के पहुंचने से पहले आरोपी रोहिताश उर्फ रोहित स्कूटी से रिश्वत के बीस लाख रुपए लेकर फरार हो गया। एसीबी के एएसपी संदीप सारस्वत ने बताया कि एसीबी टीम ने 6 महीने से पर्सनल असिस्टेंट रोहित मीणा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के विकास व कांग्रेस के भ्रष्टाचार के बीच है, अंता का चुनाव- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने वसुंधरा राजे के साथ ढाई किलोमीटर लंबा रोड शो किया

बारां/जयपुर 6 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास के विजन के साथ काम करती है। जनता की सेवा ही हमारा मुख्य ध्येय है, जबकि कांग्रेस भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की नीति पर कार्य करते हुए झूठ और लूट की राजनीति करती है। उन्होंने आमजन से आ ान किया कि आगामी उपचुनाव में अंता विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को ज्यादा से ज्यादा मतों से विजयी बनाएं।

मुख्यमंत्री ने गुरूवार को मांगरोल में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के

- रोड शो में मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए 51 द्वार बनाये गये तथा आमजन व भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा व माल्यार्पण किया। भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन रथ में मुख्यमंत्री के साथ थे।

समर्थन में रोड शो कर आमजन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले दो साल में जनता के लिए जितना काम किया है, उतना पिछली कांग्रेस सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में नहीं किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने गुरूवार को मांगरोल में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में रोड शो किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गिरफ्तार मौलाना टीटीपी टॉप कमांडर के संपर्क में था

जयपुर, नवंबर। आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) टीम ने मौलाना मोहम्मद उसामा और उसके भाई को संदिग्ध लगने पर पांच दिन पहले सांचौर से पकड़ा था।

एटीएस की पूछताछ में सांचौर से पकड़े गये मौलाना मोहम्मद उसामा

- मौलाना के भाई से भी मोबाइल और दस्तावेज एटीएस ने कब्जे में लिए हैं।

उमर का संबंध अफगानिस्तान के आतंकी संगठन तहरीक-एक-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से था। उसामा चार साल से संगठन के टॉप कमांडर के संपर्क में था। इसके प्रमाण मिलने के बाद गिरफ्तार किए गये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप की ज्यादतियों का जवाब देने के लिए ममदानी मेयर के ऑफिस में दो सौ और प्रोफेशनल वकील नियुक्त करेंगे

जैसा कि विदित ही है, ममदानी के पास और कोई रास्ता नहीं है, ट्रंप की प्रतिशोधात्मक कार्यवाही से बचने का

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अब नवनिर्वाचित न्यूयॉर्क मेयर ज़ोहरान ममदानी से निपटने के तरीकों की तलाश में जुटे हैं और इस दौरान उनके दो अलग-अलग चेहरे साफ़ तौर पर सामने आ रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, एक तरफ ट्रंप ममदानी को "कट्टरपंथी", "कम्युनिस्ट" और "न्यूयॉर्क सिटी के लिए खतरा" बता रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्होंने इस नव-निर्वाचित मेयर को चतुर, अच्छा वक्ता और प्रतिभाशाली राजनेता बताया है। निजी बातचीत में, ट्रंप ने मज़ाक में यह भी कहा कि वे ममदानी से "कहीं ज़्यादा खूबसूरत हैं।"

राजनीतिक रूप से दोनों एक-दूसरे के घोर विरोधी माने जाते हैं और ऐसा लग रहा है कि अब वे सीधे टकराव की ओर बढ़ रहे हैं। ट्रंप के लिए ममदानी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का नया चेहरा हैं। ममदानी की अप्रत्याशित जीत के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने कहा था, "डेमोक्रेट्स पागल हैं और वही हाल इस ममदानी, या जो भी उसका नाम है, का भी है।"

ट्रंप के करीबी मानते हैं कि ममदानी और न्यूयॉर्क सिटी अब ट्रंप का अगला निशाना बन सकते हैं। हालांकि कुछ लोग उम्मीद कर रहे हैं कि राष्ट्रपति को यह समझ आ जाये कि न्यूयॉर्क के आर्थिक रूप से सफल रहने में उनका स्वयं का भी हित है, क्योंकि उनके कई रियल एस्टेट कारोबार वहीं हैं।

- फिलहाल, ट्रंप और ममदानी एक-दूसरे पर कटाक्ष और व्यंग्य करने में जुटे हैं।
- ट्रंप ने ममदानी का मज़ाक बनाते हुए कहा कि वे न्यूयॉर्क के नये निर्वाचित मेयर से कहीं ज्यादा खूबसूरत हैं।
- ममदानी ने अपनी विक्ट्री स्पीच में ट्रंप पर टिप्पणी करते हुए कहा, मैं जानता हूँ कि आप मेरी स्पीच सुन रहे हैं और देख रहे हो, मेरी नेक सलाह है कि वॉल्यूम बढ़ा लो जिससे साफ सुनाई दे।
- वाइट हाउस की प्रेस सैक्रेटरी कैरोलीन लिविट ने इसकी बाद में पुष्टि की कि उस समय ट्रंप वाकई में विक्ट्री स्पीच देख रहे थे।
- चाहे दोनों नेताओं के बीच यह आदान-प्रदान कितना भी बचकाना लगे, पर ट्रंप और ममदानी के बीच शांतिपूर्ण संबंध नहीं रहने वाले हैं।

बुधवार को ट्रंप ने कहा कि वे उनकी (ममदानी) "थोड़ी मदद शायद कर सकते हैं", क्योंकि वे न्यूयॉर्क सिटी की सफलता चाहते हैं।

लेकिन साथ ही उन्होंने धमकी दी कि वे शहर को "आवश्यक न्यूनतम राशि के अलावा" संघीय फंड नहीं देंगे। हालांकि वे कानूनी रूप से कांग्रेस द्वारा स्वीकृत धनराशि, को न्यूनतम अपवादों के अलावा, रोक नहीं सकते।

जब भी प्रशासन ने आव्रजन नीतियों (इमिग्रेशन पालिसीज) को लेकर डेमोक्रेटिक शहरों के संघीय फंड रोकने की कोशिश की है, अदालतों ने हर बार उनके खिलाफ फैसला दिया है।

न्यूयॉर्क सिटी को संघीय सरकार से स्वास्थ्य, परिवहन और कानून व्यवस्था जैसे कई क्षेत्रों में धन मिलता है। यदि प्रशासन इनमें से किसी भी क्षेत्र के फंड रोकेगा तो निश्चित रूप से मुकदमेबाजी होगी।

जहाँ तक ममदानी का प्रश्न है, वे इस टकराव के लिए तैयार दिख रहे हैं। अपने विजय-भाषण में उन्होंने ट्रंप को सीधे चुनौती दी और कहा कि वे संघीय हस्तक्षेप के हर प्रयास का मुकाबला करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाम संगठनों ने जेएनयू छात्र संघ के चारों पद जीते

नयी दिल्ली, 06 नवंबर। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित, सभी चारों पदों पर संयुक्त वाम संगठन ने जीत हासिल की है।

आल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), स्टूडेंट फेडरेशन आफ

- अदिति मिश्रा अध्यक्ष व सुनील यादव महासचिव निर्वाचित हुए।

इंडिया (एसएफआई) और डेमोक्रेटिक स्टूडेंट फेडरेशन (डीएसएफ) ने संयुक्त मोर्चा बनाया था। अध्यक्ष पद पर अदिति मिश्रा, उपाध्यक्ष पद पर के गोपिका, महासचिव पद पर सुनील यादव और संयुक्त सचिव पद पर दानिश अली जो सभी वाम मोर्चे के प्रत्याशी थे, ने जीत दर्ज की। चारों पदों पर मोर्चे का मुख्य मुकाबला अखिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK